महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

मानविकी एवं भाषा संकाय

संस्कृत विभाग

Add on Courses
Open Elective Course for the Degree of Graduation

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4025	संस्कृत भाषा दक्षता (Mastering Sanskrit Language)	संस्कृत वाङ्मय का सामान्य परिचय	4	OE
		प्रमुख कवि एवं काव्य का सामान्य परिचय		
		संस्कृत व्याकरण		
		संस्कृत के चयनित गद्य एवं पद्यों की भाषाई संरचना का अध्ययन		

Open Elective Course for the Degree of Post-Graduation

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4026	संस्कृत ज्ञान परम्परा (Sanskrit Knowledge Systems)	संस्कृत ज्ञान परम्परा का विकासक्रम।	4	OE
		पुराण, आर्ष महाकाव्य, नीतिशास्त्र: सांस्कृतिक एवं आधुनिक प्रासङ्गिकता।		
		संस्कृत एवं विज्ञान		

DEPARTMENT OF SANSKRIT

Open Elective Course for the Degree of Graduation
PROGRAMME: (GRADUATION)

COURSE CODE- **SNKT4025** **CREDIT - 04**
COURSE TITLE: संस्कृत भाषा दक्षता (Mastering Sanskrit Language)
NATURE OF COURSE: **Open Elective** Duration: **One semester**

1. **भूमिका (Preamble):** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा का सम्यक् ज्ञान कराने में संस्कृत की अपरिहार्यता के दृष्टिगत संस्कृत भाषा और साहित्य के सामान्य ज्ञान की प्रतिपूर्ति के उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। यह पाठ्यक्रम महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्नातक स्तरीय विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा एवं साहित्य से परिचय इस रूप में कराता है जिससे उनमें ज्ञान एवं विज्ञान के समेकित सम्पूरक अस्तित्व से युक्त अकादमिक वातावरण का निर्माण हो सके। इस पाठ्यक्रम के लिए पहले से संस्कृत ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सरल मानकीकृत संस्कृत(SSS model) एवं संस्कृत माध्यम से संस्कृत (STS model) की अवधारणा पर आधारित होने के साथ ही साथ छात्रकेन्द्रित है।
2. **पाठ्यक्रम विवरण (Course description):** इस पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा की विशिष्टता, संस्कृत साहित्य के प्रमुख ग्रन्थों का सामान्य परिचय, संस्कृत भाषा की वैज्ञानिक संरचना, संस्कृत व्याकरण का सामान्य नियम यथा संज्ञा, सन्धि, समास, कारक, पद, वाक्य, विशेषण-विशेष्यभाव सम्बन्ध, उपसर्ग एवं क्रिया इत्यादि है।
3. **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objectives):** यह पाठ्यक्रम अधोलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निर्मित है-
   1. संस्कृत वाङ्मय का ज्ञान।
   2. संस्कृत भाषा की वैज्ञानिक संरचना का ज्ञान।
   3. संस्कृत भाषा में वाग्व्यवहार की दक्षता।
   4. संस्कृत अनुवाद में कुशलता।
   5. द्वितीयक स्रोत के बिना संस्कृत श्लोकों का अर्थावबोधन।
   6. द्वितीयक स्रोत के बिना सामान्य संस्कृत वाक्यों का अर्थावबोधन।
4. **पाठ्यक्रम विवरणिका** (Course contents)

इकाई-1. संस्कृत वाङ्मय का सामान्य परिचय **25 Marks**

संस्कृत भाषा का उद्भव एवं विकास, संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग, उपवेद, पुराण, मीमांसा, आन्वीक्षिकी(पूर्वपक्ष एवं उत्तरपक्ष),मीमांसा, धर्मशास्त्र, काव्य एवं काव्यशास्त्र, भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रमुख आचार्यों का परिचय, इत्यादि।

इकाई-2. प्रमुख कवि एवं काव्य का सामान्य परिचय **25 Marks**

विशेष अध्ययन: मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रघुवंशम्, भर्तृहरि के शतककाव्य के चयनित श्लोक।

इकाई-3 संस्कृत व्याकरण **25 Marks**

संज्ञा,सन्धि,समास, कारक, स्त्रीप्रत्यय, अनुवाद एवं वाक्यनिर्माण प्रविधि।

इकाई-4 संस्कृत के चयनित गद्य एवं पद्यों की भाषाई संरचना का अध्ययन **25 Marks**

श्रीमद्भगवद्गीता के प्रमुख श्लोक, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश के चयनित भाग।

5. 5. **संस्तुत पाठ्यसामग्री** (Recommended Readings):

i. Shastri, Vasudev Dwivedi, *Sanskrit Padya Sangraha /*, Varanasi: Sarvabhauma Sanskrit Prachar Sansthan, 1983.
ii. Dwivedi, Kapil Dev, *Sanskrit Nibandha /ataka·*, Varanasi: Vishwavidyalaya Prakashana, 1992.
iii. Shastri, Charudev, *Candrodaya Vyakarana*, Delhi: Motilal Banarasidass, 1993.
iv. Shastri, D.N., *Sanskrit in Thirty Lectures*, Delhi: Institute of Indology, 1972.
v. Laxman, C.R., *A Sanskrit Reader*, Delhi: Motilal Banarsidass, 1992.
vi. भाषा प्रवेश, संस्कृत भारती
vii. Racanānuvādakaumudī, Kapil Dev Dwivedi, Varanasi, 2009.
viii. शास्त्री, चारुदेव - अनुवाद-कला अथवा वाग्व्यवहारादर्श, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
ix. The Students Guide to Sanskrit Language, V.S. Apte (also Hindi Version), Choukhambha Sanskrit Series office, Varansi.
x. Higher Sanskrit Grammar, M.R.Kale, Moti Lal Banarsidas, Delhi.2007
xi. Śrimadbhagavadgītārahasya - The Hindu Philosophy of Life, Ethics and or Karmayogaśāstra Religion, Original Sanskrit Stanzas with English ranslation, Bal Gangadhar Tilak & Balchandra Sitaram Sukthankar, J.S.Tilak &S.S.Tilak,1965.
xii. Śrīmadbhagvadgītā A Guide to Daily Living, English translation, and notes by Pushpa Anand, Arpana Publications, 2000.
xiii. चतुर्वेदी, गिरिधर शर्मा - वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1972
xiv. Indian Knowledge Systems Vol.1 &Vol.2, IIAS, Shimla.

Note: Teachers are also free to suggest any relevant books/articles/e-resource if needed.

6. **मूल्याङ्कन प्रारूप (Evaluation pattern)**:

1.सतत आन्तरिक परीक्षा (Class test)- 10%
2.निर्दिष्ट कार्य एवं प्रस्तुति (Assignment and presentation)-5%
3.मध्यावधि परीक्षा (Mid-term examination)-20%
4.उपस्थिति (Attendance)-5%
5.सत्रान्त परीक्षा (End term examination)-60%

7. **अपेक्षित उपस्थिति (Attendance requirement):** 75% से कम उपस्थिति वाले छात्र इस विषय की परीक्षा से वञ्चित किए जा सकते हैं।

DEPARTMENT OF SANSKRIT

Open Elective Course for the Degree of Post-Graduation
PROGRAMME: POST-GRADUATION

COURSE CODE- **SNKT4026** **CREDIT - 04**
COURSE TITLE: **संस्कृत ज्ञान परम्परा** (Sanskrit Knowledge Systems)
NATURE OF COURSE: **Open Elective** Duration: **One semester**

1. **भूमिका (Preamble):** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा का सम्यक् ज्ञान कराने में संस्कृत की अपरिहार्यता के दृष्टिगत संस्कृत भाषा और साहित्य के सामान्य ज्ञान की प्रतिपूर्ति के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है। यह पाठ्यक्रम महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर स्तरीय विद्यार्थियों को संस्कृत वाङ्मय से परिचय इस रूप में कराता है जिससे उनमें ज्ञान एवं विज्ञान के समेकित सम्पूरक अस्तित्व से युक्त अकादमिक वातावरण का निर्माण हो सके। इस पाठ्यक्रम के लिए पहले से संस्कृत ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्विषयक एवं बहुविषयक पाठ्यक्रम प्रणाली की अवधारणा पर आधारित होने के साथ ही साथ छात्रकेन्द्रित है।
2. **पाठ्यक्रम विवरण (Course description):** इस पाठ्यक्रम में संस्कृत वाङ्मय के विविध विषय यथा वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, पुराण, आर्षकाव्य, भारतीय धर्म, दर्शन,नीतिशास्त्र, संस्कृति, विज्ञान, काव्य एवं काव्यशास्त्र तथा आधुनिक संस्कृत रचनाधर्मिता इत्यादि है।
3. **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objectives):** यह पाठ्यक्रम अधोलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निर्मित है-
   1. संस्कृत ज्ञान की परम्परा का अभिज्ञान।
   2. संस्कृत शास्त्रों, आचार्यों, टीका एवं टीकाकारों से परिचय।
   3. संस्कृत ज्ञान की परम्परा की समकालिक उपादेयता।
   4. भारतीय बौद्धिक परम्परा का वैशिष्ट्य।
   5. भारतीय धर्म, दर्शन एवं नीतिशास्त्र के माहात्म्य से परिचय।
   6. भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत के अन्तर्सम्बन्धों का अभिज्ञान।
   7. संस्कृत एवं विज्ञान के अन्तर्सम्बन्धों का अभिज्ञान।
4. **पाठ्यक्रम विवरणिका (Course contents):**

इकाई-1: संस्कृत ज्ञान परम्परा का विकासक्रम : 25 Marks

वेद, स्मृति,पुराण, दर्शनशास्त्र, भाषाशास्त्र, काव्य एवं काव्य शास्त्र की अविच्छिन्न परम्परा का सामान्य अध्ययन, संस्कृत के पारिभाषिक शब्दों का यथार्थ स्वरूप,संस्कृत ज्ञानपरम्पराविषयक पाश्चात्य चिन्तकों का मत।

इकाई 2: पुराण, आर्ष महाकाव्य, नीतिशास्त्र: सांस्कृतिक एवं आधुनिक प्रासङ्गिकता 25 Marks

रामायण एवं महाभारत का सांस्कृतिक महत्व, एवं समकालिक उपादेयता,महाभारत के उद्योग पर्व के 33/34 अध्याय में वर्णित राजनीति,धर्मनीति विषयक विदुर के उपदेश, नीतिशतक, हितोपदेश, पञ्चतन्त्र से चयनित श्लोक

इकाई 3: संस्कृत एवं विज्ञान **25 Marks**

संस्कृत साहित्य में निहित वैज्ञानिक तत्त्व यथा नागार्जुन, भास्कराचार्य, आर्यभट्ट, वराहमिहिर,ब्रह्मगुप्त, पाणिनि,चरक, सुश्रुत, कणाद, आचार्य शङ्कर की कृतियों में अन्तर्निहित विज्ञान

इकाई 4: श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) **25 Marks**

5. संस्तुत पाठ्यसामग्री (Recommended Readings):

i. Great Minds on India, Salil Gewali, India, Penguin Enterprise, ISBN,9780143419358.
ii. संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास, NCERT, New Delhi
iii. भारतीय विद्यासार, भारतीय विद्याभवन, दिल्ली
iv. Anantharaman, T.R. (1996). Ancient Yoga and Modern Science. New Delhi: Munshiram Manoharlal Publishers Pvt Ltd.
v. Rajkumari Pandey-Bhartiya Yoga Parampara ke Vividh Ayam, radha publication, ND, 2008
vi. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी, 2001.
vii. पाणिनिकालीन भारतवर्ष, वासुदेवशरण अग्रवाल, पटना, 1969
viii. पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, प्रभुदयाल अग्निहोत्री, पटना, 1963
ix. The Students Guide to Sanskrit Language, V.S. Apte (also Hindi Version), Choukhambha Sanskrit Series office, Varansi.
x. Higher Sanskrit Grammar, M.R.Kale, Moti Lal Banarsidas, Delhi.2007
xi. Śrimadbhagavadgītārahasya - The Hindu Philosophy of Life, Ethics and or Karmayogaśāstra Religion, Original Sanskrit Stanzas with English ranslation, Bal Gangadhar Tilak & Balchandra Sitaram Sukthankar, J.S.Tilak &S.S.Tilak, 1965.
xii. Śrīmadbhagvadgītā A Guide to Daily Living, English translation, and notes by Pushpa Anand, Arpana Publications, 2000.
xiii. चतुर्वेदी, गिरिधर शर्मा - वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1972
xiv. Indian Knowledge Systems Vol.1 &Vol.2, IIAS, Shimla.

Note: Teachers are also free to suggest any relevant books/articles/e-resource if needed.

6. मूल्याङ्कन प्रारूप (Evaluation pattern):

1. सतत आन्तरिक परीक्षा (Class test)- 10%
2. र्दिष्ट कार्य एवं प्रस्तुति (Assignment and presentation)-5%
3. मध्यावधि परीक्षा (Mid-term examination)-20%
4. उपस्थिति(Attendance)-5%
5. सत्रान्त परीक्षा (End term examination)-60%

7. अपेक्षित उपस्थिति (Attendance requirement): 75% से कम उपस्थिति वाले छात्र इस विषय की परीक्षा से वञ्चित किए जा सकते हैं।